खबर प्रकाशित करने पर दी धमकी

खबरें प्रकाशित होने के बाद ग्राम पंचायत बरौदा माल का सरपंच बौखलाया

घंसौर नवभारत। ग्राम पंचायत बरौदा माल में सरपंच सचिव और उपसरपंच द्वारा भ्रष्टाचार का नंगा नाच किया जा रहा है ग्राम में विकास और सरकारी योजनाओं के नाम पर चल रहा भ्रष्टाचार दिन व दिन बढ़ता जा रहा है ग्रामीणों की शिकायतों के करने के वावजूद भी ग्राम पंचायत बरौदा माल में भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सभी सरकारी योजनाओं में लगातार धांधली हो रही है।

कई निर्माण कार्य अधूरे या घटिया सामग्री के साथ पूरे किए गए हैं, जिससे जनता को असुविधा और नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं के लाभ अपात्र लोगों को दिए जा रहे हैं, जबकि वास्तविक जरूरतमंद लोग इन सुविधाओं से वंचित हैं।

ऐसे हालात में जब एक अखबार ने इन मामलों की खबर प्रकाशित की और सच उजागर किया तो ग्राम पंचायत बरौदा माल का सरपंच संतराम कन्हैरियां बौखल गया और खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकार को धमकी दे दी और कहा कि इस खबर को प्रकाशित न किया जाए, अन्यथा परिणाम भुगतने होंगे।

यह घटना न केवल पत्रकारिता पर हमला है बल्कि लोकतंत्र और जनता की आवाज़ पर भी चोट है। स्थानीय पत्रकार इसे प्रेस की स्वतंत्रता और सच्चाई की रक्षा के लिए गंभीर चुनौती मान रहे हैं। ग्रामीण जनता भी परेशान और नाराज है, लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या विकास और योजनाओं के नाम पर चल रहा यह भ्रष्टाचार अब भी जारी रहेगा। लोग उम्मीद

कर रहे हैं कि प्रशासन सही कदम उठाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। पत्रकारों का कहना है कि सच दिखाना अपराध नहीं है और किसी को भी इसे दबाने का अधिकार नहीं है। पंचायत और अधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे भ्रष्टाचार के खेल ने जनता का भरोसा टूटने के कगार पर ला दिया है। सड़कें खराब, जल आपूर्ति अनियमित, स्कूल भवन अधूरे और सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी जैसी समस्याओं ने ग्रामीणों की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है।

सच और ईमानदारी दिखाने वाले पत्रकारों को धमकाना लोकतंत्र की हत्या है। जनता का हक है कि उसे सही और सच्ची जानकारी मिले। ऐसे दबावों और धमकियों से मीडिया का काम प्रभावित नहीं होना चाहिए। पत्रकारिता पर दबाव और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना अपराध नहीं है।

सच दिखाना अपराध नहीं, लेकिन डराने-धमकाने की नीति लोकतंत्र और जनता के अधिकारों पर सीधा हमला है। इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ है कि बरौदा माल पंचायत में पारदर्शिता का अभाव और भ्रष्टाचार का खेल अब भी जारी है। जनता की निगाहें प्रशासन पर टिकी हुई हैं कि कब और कैसे सच्चाई के खिलाफ कार्रवाई होगी। सच उजागर करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना समय की मांग है।

सुसाइड नोट लिखकर प्रधान आरक्षक लापता

सिवनी नवभारत। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रधान आरक्षक योगेश राजपूत का स्थानांतरण 26 सितंबर को नरसिंहपुर हो चुका है। हालांकि उसने अभी ज्वाइन नहीं किया है। चर्चा है कि उसने कोर्ट से स्टे ले रखा है। वह सिवनी में सीसीटीएनएस की कार्रवाई देखता था।

पुलिस कर रही जांच ■ कोतवाली टीआई किशोर वामनकर का कहना है कि रविवार को प्रधान आरक्षक योगेश राजपूत के परिजनों ने उनके लापता होने की शिकायत की है। वहीं एक पत्र भी दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बालाघाट थाने में लाखों रुपए के चोरी मामले में है संदिग्ध ■ बालाघाट कोतवाली थाने से 33 अपराधों में जब्त 55 लाख 13 हजार 100 रुपए नकद और करीब 14 लाख रुपये के जेवरात चोरी होने के मामले में संदिग्ध प्रधान

आरक्षक योगेश राजपूत एक पत्र लिखकर घर से लापता हो गया है। परिजनों ने रविवार को कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पत्र में योगेश राजपूत ने एक पुलिस अधिकारी एवं शराब ठेकेदार पर उसने कहा है कि दोनों लोग उसे झूठे केस में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। पत्र में प्रधान आरक्षक ने लिखा है कि वह एक ईमानदार व्यक्ति है। 18-19 अक्टूबर की दरमियानी रात मेरे घर पर बालाघाट की पुलिस भेज दी गई। इसके पीछे वजह यह है कि मैंने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ हाईकोर्ट में केस लगा रखा है। वहीं शराब ठेकेदार पुरानी रंजिश को लेकर फंसा रहा है। मेरे जाने के बाद मेरे परिवार को परेशान न किया जाए। मैं यह रास्ता खुद चुन रहा हूं। पत्र से यह स्पष्ट है कि प्रधान आरक्षक ने एक तरह से सुसाइड नोट ही लिखा है। बता दे कि बालाघाट जिले के कोतवाली मालखाने में रुपए एवं जेवर चोर होने के मामले में शनिवार-रविवार दरमियानी रात पुलिस ने सिवनी में दबिश दी थी।

आरोपी विकास उर्फ गोलू लाला के घर से 13 लाख रुपए जब्त किए थे। वहीं मामले में संलिप्तता के संदेह पर भैरोगंज महाराज बाग निवासी प्रधान आरक्षक योगेश राजपूत को नोटिस भी दिया था। हालाकि इस दौरान पुलिस एवं प्रधान आरक्षक के बीच काफी झड़प भी देखने को मिली। पूरी घटना की वीडियो भी सोशल साइट पर वायरल हो रही है।

एक नजर में

बंडोल पुलिस ने नाबालिग को किया परिजनों के सुपुर्द

सिवनी। पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता के निर्देशन मे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा, नगर पुलिस अधीक्षक सिवनी श्रीमती श्रध्दा सोनकर के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी बंडोल उ.नि. मनोज जंघेला व्दारा थाना क्षेत्र मे तत्परता से त्वरित कार्यवाही की जा रही है। 22 अक्टूबर को थाना प्रभारी बंडोल उनि. मनोज जंघेला एवं स्टाफ के दौरान कस्बा पैदल भ्रमण के यात्री प्रतिक्षालय बंडोल में एक लडकी अकेली बैठे देखी गई, पूछताछ पर उसने अपना नाम स्वाति पिता तानू सल्लाम उम्र 17 साल निवासी ग्राम छुई थाना अमरवाड़ा जिला छिन्दवाड़ा का होना एवं रात्रि अधिक होने से साधन नही मिलने के कारण यात्री प्रतिक्षालय में प्रतिक्षारत होना बताई, जो संबंधित नाबालिग के बारे में जानकारी हेतु थाना अमरवाडा जिला छिंदवाडा संपर्क किया गया जिन्होंने नाबालिग लडकी स्वाति के परिजनो के मोबाईल नंबर उपलब्ध कराये जिनसे संपर्क कर परिजनो को थाना बंडोल बुलाकर नाबालिग बालिका स्वाति सल्लाम को सकुशल सुपुर्द कर उनके घर भेजा गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी उ.नि. मनोज जंघेला, सउनि. शिवेन्द्र वसूले, प्र.आर. जयेन्द्र बघेल, आर. राहुल कुशवाहा, म.आर. रूकमणी डेहरिया एवं प्र.आर. दिनेश (थाना अमरवाडा) की भूमिका सराहनीय रही।

अधिवक्ता संघ के चुनाव हेतु आज जुड़ेंगे नाम

सिवनी। जिला अधिवक्ता संघ सिवनी के वर्ष 2025 से 2027 के लिए होने वाले चुनाव के

लिए बने चुनाव अधिकारी अधिवक्ता अरुण बिसेन द्वारा बताया गया कि उपरोक्त चुनाव की मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु जो भी अधिवक्ता ने AIBE की परीक्षा पास कर ली हो तथा वेरिफिकेशन भी करवा लिया है ऐसे अधिवक्ता आज 24 अक्टूबर को शाम 4 बजे तक अधिवक्ता संघ कार्यालय में अपने डॉक्यूमेंट दिखा कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वां ले जिससे कोई भी पात्र अधिवक्ता मतदान से वंचित न हो सके।

निधि, शुभी, सर्वेशर अक्षत का चयन

नवभारत,जबलपुर। सेवा इन एक्शन बेंगलुरु द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी क्विज में विकलांग सेवा भारती के मानसिक दिव्यांग छात्र-छात्राएं निधि रैकवार, सर्वेश्वर सिंह, शुभी पटेल अक्षत जोशी का चयन हुआ अब ये छात्र 25 अक्टूबर को स्पोर्ट्स क्लब ऑफ जबलपुर में राज्य स्तरीय फाइनल में अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। स्पेशल ओलंपिक भारत के एरिया डायरेक्टर दीपांकर बनर्जी, राकेश शर्मा ,सचिन प्रजापति ने उत्कृष्ट खेल हेतु शुभकामनाएं दी हैं।

देवरी कलां मार्ग में झाड़ियों से जगह-जगह अंधा मोड़, दुर्घटना की बनी रहती है आशंका

छपारा नवभारत। नगर परिषद के वार्ड नंबर 15 शिवाजी वार्ड देवरी कलां के ग्राम से छपारा खुर्द गांव तक लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई का मार्ग पर पहले से छह जगहों पर घूमावदार मोड़ हैं वहीं बारिश के मौसम में मार्ग के किनारे ऊंची-ऊंची झाड़ियां उग आई हैं जिससे उक्त सड़क के मोड़ खतरनाक मोड़ बन गए हैं और दुर्घटनाओं के घटित होने की हमेशा आशंका बनी रहती है वहीं संबंधित विभाग द्वारा झाड़ियों के लेकर कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है मार्ग में मोड़ों पर दूसरे ओर से कोई वाहन आ रहा है या नहीं दिखाई ही नहीं देता है जिसे लेकर गांव वासियों द्वारा जल्द से जल्द मार्ग किनारे झाड़ियों की साफ-सफाई करने को लेकर अपील की गई है।

पंचायत के पास अपना टैंकर, फिर भी 10,000 का बिल बाहर से क्यों?

प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी पर गंभीर सवाल

लखनादौन नवभारत। लखनादौन जनपद कीग्राम पंचायत बगलई के सरपंच विनोद कुमार परते और सचिव सरकारी पैसे लूटना का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। पंचायत के रिकॉर्ड बताते हैं कि दोनों ने तकनीकी धोखाधड़ी और फ़र्ज़ी बिलिंग को हथियार बनाया है । जिसका जीता जागता उदाहरण प्राथमिक शाला मुढ़ापार की बाउंड्री वॉल है जिसके निर्माण में छोटे छोटे खर्चो के बिल लगा कर एक बड़ी रकम निकाली गयी है प्राथमिक शाला मुढ़ापार की बाउंड्री वॉल निर्माण में सेंटरिंग किराया के नाम पर 25,000 का फ़र्ज़ी बिल लगाया। इसी तरह , 10,000 के फ़र्ज़ी पानी बिल ने सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। बाउंड्री वॉल निर्माण के खर्च वाउचर में मुरारी पटैल नामक व्यक्ति को पानी सप्लाई के नाम पर 10,000 का भुगतान दिखाया गया है। ग्राम पंचायत के पास अपना पानी का टैंकर मौजूद है! जब पंचायत के पास स्वयं की सुविधा मौजूद है, तब 10,000 खर्च करके

बाहर से निजी टैंकर बुलवाने का क्या मतलब है? गाँववालों का तो यहाँ तक कहना है कि बाहर से टैंकर आए ही नहीं, सिर्फ फ़र्ज़ी बिल लगाकर पैसा निकाल लिया गया।इस पुरे मामले में प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल है।जब पंचायत के पास अपना टैंकर है, तब भी 10,000 का बाहरी बिल क्यों पास किया गया? यह घोटाला अकेला नहीं है। बाउंड्री वॉल के काम में ही 35,000 की लूट सामने आई है, जिस पर प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी गंभीर सवाल खड़े करती है।इसके अलावा, पंचायत ने सेंटरिंग किराया के नाम पर 25,000 का फ़र्ज़ी बिल लगाया। बाउंड्री वॉल जैसी साधारण दीवार में इतना मोटा खर्च अनावश्यक है सरपंच और सचिव के आपराधिक इरादे से भी बड़ा सवाल प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर खड़ा होता है। जब 10,000 के छोटे बिल पर इतनी बेशर्मी से हाथ साफ़ किया जा रहा है, और वह भी तब जब पंचायत के पास अपना टैंकर मौजूद है, तो यह सवाल उठता है कि प्रशासनिक अधिकारियों ने इन बिलों को बिना गहन जाँच के पास कैसे करते रहे?

पंचायत के छोटे से छोटे भुगतान पर सचिव के अलावा जनपद पंचायत स्तर के अधिकारियों का अनुमोदन आवश्यक होता है। अधिकारी को यह देखना होता है कि खर्च तार्किक है या नहीं।पंचायत के पास अपना पानी का टैंकर होने के बावजूद, 10,000 का बाहरी बिल लगाना सीधे तौर पर लाल झंडी दिखाता है। प्रशासनिक अधिकारी को यह तुरंत पकड़ना चाहिए था कि यह भुगतान अनावश्यक किया जा रहा है।इतनी स्पष्ट और खुली अनियमितताओं को बिना जाँच के पास कर देना या तो घोर लापरवाही को दर्शाता है, या फिर यह संदेह पैदा करता है कि पंचायत नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच भी कोई अलिखित सेटिंग थी।

अधिकारियों की इसी लापरवाही या मिलीभगत के कारण सरपंच और सचिव के हौसले बुलंद हुए, गाँववालों की मांग है कि न केवल सरपंच-सचिव पर कार्रवाई हो, बल्कि उन प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका की भी जाँच हो जिन्होंने इन फर्जी और अतार्किक बिलों को आँखें मूंदकर पास किया।...?

जब हमारे द्वारा सचिव शंकर लाल यादव को कॉल किया गया तो उन्होंने हमारा कॉल रिसीव नहीं किया।

सीसी रोड निर्माण की जांच के लिए ग्रामीणों ने की सीईओ से मांग

छपारा नवभारत। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चमारी खुर्द के ग्रामीणों ने पंचायत क्षेत्र अंतर्गत बन रही सीसी रोड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी से जाँच की मांग की है।

ग्रामीणों की शिकायत अनुसार बताया गया कि ग्राम पंचायत चमारी खुर्द के चुगारी कला में सी-सी रोड निर्माण कार्य किया गया जिसमें पंचायत द्वारा कमाल करते हुए रिकॉर्ड बनाया गया जिसमे एक ही दिन में (दोपहर 12 बजे से रात के 12 बजे तक) में 100 मीटर रोड निर्माण कर दिया गया निर्माण कार्य इतना घटिया किया गया कि उसमें रेत की जगह बजरी और डस्ट का

उपयोग किया गया है। ग्राम बसियों के मना करने के भी बाद भी काम नहीं रोका गया साथ ही निर्माण कर रहे लोगों ने कह दिया गया सही माप दंड़ से कार्य हो रहा है, किंतु जिस तरह बारह घंटे में सड़क का निर्माण कर दिया गया वह अपने आप में एक रिकॉर्ड पंचायत के कर्ण धारों के द्वारा बनाया गया जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है जिससे जन हितैषी रोड की जांच नहीं हो जाती है तब तक रोड का भुगतान न किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए अन्यथा हम सभी ग्रामवासी हरिप्रसाद उईके (पंच), चेतराम धुर्वे (पंच), गुलाब सिंह (पंच),जयप्रकाश दुबे (पंच) राकेश परिहार,सोहनलाल,संदीप यादव, सोमनाथ चौबे,योगेंद्र डेहरिया, रामगोपाल डेहरिया, किशोर सिंह,विजय डेहरिया, राकेश डेहरिया एवं समस्त ग्राम वासियों द्वारा आगे जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ से भी शिकायत करेंने की बात कही।

कोदो एवं कुटकी के पंजीयन की अंतिम तिथि आज

सिवनी। रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा कोदो एवं कुटकी की उपार्जन प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।खरीफ वर्ष 2025 हेतु ई-उपार्जन पोर्टल पर कोदो एवं कुटकी का पंजीयन 10 से 24 अक्टूबर तक किया जाएगा। जिले में पंजीयन हेतु कुल 5 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। किसानों से अपील की गई है कि वे कोदो एवं कुटकी का अधिक से अधिक पंजीयन कराकर इस योजना का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

झाड़ फूंक के चक्कर में गोल्डन आवर को गंवाया परिजनों ने

छपारा नवभारत। नगर से 15 किलोमीटर दूर चमारी क्षेत्र के भौरगढ में सर्प दंश से सागर लुडगी के रोजगार सहायक की दुखद मृत्यु हो गई मृतक घर में अकेला कमाऊ सदस्य सदस्य था असमय हुई मौत से मृतक के गांव में शोक का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार छपारा जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत सागर लुडगी में पदस्थ रोजगार सहायक स्वामी लाल उईके पिता सुखलाल उईके 43 वर्ष 22 अक्टूबर को शाम लगभग 7 बजे गांव के समीप ग्राम सिरकापार और भौरगढ के बीच हिस्से में ठेल नदी पार कर रहा था उसी दौरान स्वामी को पैर में जहरीले सर्प ने काटा दिया घर आकर स्वामी ने अपने परिजनों सहित आस-पड़ोस में बताया की सांप ने काट लिया पैर में जहां लगभग एक घंटा तक गांव में झाड़-फूंक कराने में लगे रहे जब स्वामी की

तबीयत गंभीर स्थिति पहुंच गई तो बुधवार को रात्रि लगभग 8:30 बजे नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छपारा लेकर पहुंचे जहां जांच के बाद चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया।

लगातार बारिश के बाद सर्प दंश से ग्रामीण अंचलों में मौतें हो रही और उसका मुख्य कारण सर्प दंश होने पर झाड़-फूंक कराने में जो गोल्डन आवर इलाज में रहता है वह निकाल लिया जा रहा है ज्ञात हो कि सर्प दंश होने पर स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी वेनम इंजेक्शन समय पर लगाए जाने पर पीड़ित की जान बचाई जा सकती है वहीं ग्रामीण अंचलों में जन जागरुकता का आभाव होने से क्षेत्र में झाड़-फूंक कराने में समय गंवाया जा रहा है और बड़ी संख्या में लोग अपनों की अकाल मौत होते देख असहाय महसूस कर रहे हैं क्षेत्रीय वासियों ने जिला प्रशासन से आग्रह है कि ग्रामीण अंचलों में जागरुकता अभियान चलाया जाएगा तो समय रहते इलाज मुहैया होने से जनहानि होने से बचाया जा सकता है।

आयोजन सबसे सुंदर बनने वाले गुरु मंदिर के लिए लोगों ने दान दिया , आचार्य श्री विद्यासागर के चरण चिन्ह नवीन वेदी पर स्थापित हुए

गाय के शरीर में विषैले पदार्थों को पचाने की क्षमता होती है

सिवनी नवभारत। महासमाधि धारक परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित एवं परम पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज के सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी मनोज भैया जी जबलपुर के निर्देशन में 23अक्टूबर को दयोदय जीव रक्षा संस्थान ,(गौशाला) में प्रात: काल की बेला में परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चरण चिन्ह नवीन वेदी पर स्थापित हुए ,इसके अंतर्गत वेदी शुद्धि, अष्ट कुमारियों द्वारा मांगलिक क्रियाएं, संपन्न हुई। आचार्य छत्तीसी विधान हुआ। दुनिया के सबसे सुंदर बनने वाले गुरु मंदिर के लिए लोगों ने दान दिया, गौ ग्रास के लिए वर्ष में एक बार होगा उसके लिए लोगों ने दान दिया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में दोपहर में ,घटयात्रा ,वेदी शुद्धि की मांगलिक क्रियाएं हुई।

इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री

भावसागर जी महाराज ने कहा कि पूरे भारत की गौशालाओं को समृद्ध बनाने के लिए गौ ग्रास योजना लागू होना चाहिए भारत की रीढ़ मजबूत करना है तो गाय की रक्षा करो ,

पृथ्वी पर कोई सम्पदा है तो वह गाय है उसे मौत के घाट उतारा जा रहा है कोई रक्षा नहीं कर पा रहे हैं आचार्य श्री के आशीर्वाद से गायों की रक्षा हो रही है गायों को पालना बंद कर दिया इसलिए कत्लखाने जाने लगी ।

भारत की धरती पर करोड़ों गोकुल होते थे ,गौ माता बड़ी सयानी है, गायो की रक्षा करे गौशालाओ में भेजे, राष्ट की रीढ़ गाय हैं, भारत देश गायों का रव सुनकर गौरव मानता था, गाय का पालन करें यह चेतन धन है सर्वश्रेष्ठ संपदा है, गाय चेतन धन है इसकी सुरक्षा करेंधर्मशास्त्र तो गोधन की महानता और पवित्रता का वर्णन करते ही है किन्तु भारतीय अर्थशास्त्र में भी गोपालन का विशेष महत्व है। कौटिल्य अर्थशास्त्र में गोपालन और गो रक्षण का विस्तृत वर्णन है। भारत में अनादिकाल से ही सभी का मुख्य कर्तव्य गोपालन ही रहा है। प्राचीन काल में जिसके पास ज्यादा गायें होती थीं, वही संपत्ति शाली माना जाता था, गाय से यह देश मंगल का स्थान बन गया था गाय के बिना आज अमंगल हो रहा है देश में। भारत के डॉ., वकील, ग्रंथकार, पत्रकार, बुद्धिजीवी, विद्वान नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, सर्विसमेन, बिजनेस मेन, गाय के पालन में सहयोग करें यह महत्वपूर्ण जीव रक्षा का कार्य है। आजकल गृहस्थों ने गाय रखना बंद कर दी है कार, मकान, दुकान, कपड़े, सप्त व्यसन, जुआं, शराब आदि में पैसा बर्बाद कर रहे हैं। लेकिन एक गाय नहीं रख पा रहे है। गाय के दूध से कैंसर, कोलेस्ट्राल, हृदय रोग, कोड़, ब्लडप्रेशर आदि बीमारियां ठीक होती हैं। गाय का दूध बुद्धिवर्धक होता है। 24750 मनुष्य एक गाय के जीवन भर दूध से तृप्त हो सकते है। गाय पर प्रेम से हाथ फेरने से ब्लड प्रेशर ठीक हो जाता है। गाय की पीठ पर सूर्य केतू स्नायु हानिकारक विकिरण को रोककर वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं। हवन में घी के प्रयोग से वातावरण शुद्ध होता है। ओजोन की परत मजबूत होती है। गाय के रोम और नि:स्वास से भी बीमारी ठीक होती हैं। गाय और बछड़े के रंभाने की आवाज से मनुष्य की अनेक मानसिक विकृक्तिया तथा रोग अपने आप नष्ट हो जाते हैं। गाय अपने सींग के माध्यम से कास्मिक पावर ग्रहण करती है। गाय के गोबर से टी.वी., मलेरिया के कीटाणु नहीं पनपते हैं। विनोबा भावे जी कहते थे कि हिन्दुस्तानी सभ्यता का नाम ही गोसेवा है। पहले आम के बगीचों में दूध की सिंचाई होती थी। गाय के दुग्ध पदार्थों में विष को समाप्त करने की क्षमता होती है। गाय के शरीर में विषैले पदार्थों को पचाने की क्षमता होती है। लगभग 8000 साल पहले सिंधु घाटी में गाय को पालतू बनाये जाने से एक क्रांति आयी थीं। इस तरह आप गाय की उपयोगिता के बारे में लोगों को बतायें प्रचार प्रसार करे कमेटी ने बताया कि 24 अक्टूबर को वेदी पर प्रभु की प्रतिमा विराजमान की जाएगी, 25 अक्टूबर को दोपहर 1बजे आचार्य श्री विद्यासागर अहिंसा द्वार का लोकार्पण होगा फिर दोपहर 2बजे पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित होगा जिसमें भारत के कई नगरों से लोग शामिल हो रहे हैं।

बरघाट नवभारत। नगर के डॉक्टर तुशांत विश्वास के निवास पर विराजी मां काली की मनोहारी प्रतिमा।